अनजानी लड़की

प्रेषक : वीरू दादा

मेरा नाम राजवीर है, प्यार से लोग मुझे वीरू बुलाते है। पहले मै आपको अपने बारे में बता दूँ। मैं हरियाणा में रहता हूँ, यहाँ मेरा पूरा परिवार रहता है। मेरी लम्बाई सवा पांच फ़ुट है, भरा हुआ शरीर है, लंड की लम्बाई साढ़े पाँच इंच है और मोटाई २.५ इंच है। मैंने इससे पहले कभी सेक्स नहीं किया था जो आज मैं आपको सुनाने जा रहा हूँ वो मेरी पहले सेक्स की कहानी है। उसके बाद मैंने कईयों बार सेक्स किया। सेक्स में मजा ही ऐसा होता है, जितना करो उतना और ज्यादा करने का मन करता है।

तो अब अपनी कहानी सुनाता हूँ !

बात दो साल पहले की है जब मैं 18 साल का था, अब 20 साल का हूँ। हमारे घर के आगे एक छोटा सा गार्डन है।

तो एक बार मैं घर पर अकेला था, ब्लू फिल्म देख रहा था। मैंने उस समय निक्कर पहन रखी थी। मेरा लंड खड़ा हो गया। मैंने निक्कर और अंडरवियर उतार दिया और मुट्ठ मारने लगा कि अचानक दरवाज़े पर घण्टी बज़ी। मै जल्दी-जल्दी में सिर्फ निक्कर ही पहन कर चला गया, दरवाजा खोला तो एक 20-21 साल की लड़की खड़ी थी, रंग एकदम गोरा, पतली कमर, लम्बे बाल, जींस और टी-शर्ट पहन रखी थी, एकदम मॉडल लग रही थी। वो एक सेल्स-गर्ल थी, लेडीज सामान बेच रही थी, ब्रा और पैंटी की नई कोलेक्शन। मेरा लंड पहले से ही आधा खड़ा था, उसे देख और भी खड़ा हो गया। उसे शायद मालूम हो चुका था कि मेरा लंड खडा है क्योंकि साफ़ दिख रहा था।

वो पहले बोली- क्या यहाँ कोई लेडीज है?

मैंने कहा- है तो सही पर अभी बाहर गई है, अभी ५ मिनट में आ रही है।

तो वो प्रतीक्षा करने लगी। उसे क्या मालूम कि घर शाम के पाँच बजे तक खाली है।

थोड़ी देर बाद वो बोली- एक ग्लास पानी मिलेगा?

मैंने कहा- जरूर मिलेगा !

मैं उसके लिए पानी लेने गया और सोचने लगा कि इसको कैसे फंसाया जाये?

मुझे एक तरकीब सूझी।

मैं जैसे ही उसके पास पानी लेकर पंहुचा, जानबूझ कर उसके कपड़ों पर पानी गिरा दिया। वो पूरी गीली हो गई। क्या मस्त चूची लग रही थी उसकी गीले टी-शर्ट में !

वो कहने लगी- मैं तो गीली हो गई !

तो मैंने कहा- कोई बात नहीं ! मैं आपको दूसरे कपड़े दे देता हूँ !

मैंने उसे हाफ शर्ट और मिनी स्कर्ट दे दी। वो बाथरूम से पहन कर आ गई। क्या गोरी-गोरी जांघें थी उसकी ! शर्ट में चूची तो उसकी पूरी कस ही गई थी। तब मेरा लण्ड और सख्त हो गया पर मैं चाहता था कि पहल वो करे।

मैंने उसे कहा- आप इन्तज़ार करो, मैं आपके लिए चाय बना कर लाता हूँ ! तब तक आप टीवी देख लो !

मै चला गया, उसने टीवी ऑन किया, उस पर ब्लू फिल्म अभी चल ही रही थी। वो मजे से वो सब देख रही थी, एकदम लाल हो गई थी वो ! उसने अपना हाथ अपनी पैंटी में डाल दिया और मसलने लगी। मैं ये सब देख रहा था। मै चाय की जगह बियर ले आया। वो मेरे आने की आहट सुन कर सीधी बैठ गई और टीवी ऑफ कर दिया।

मैंने उसके सामने बियर रख दी। वो कहने लगी आप तो चाय लेने गए थे पर ये क्या ले आये?

मैंने कहा- जैसा माहौल है वैसी चीज भी तो होनी चाहिए !

वो हैरान होकर पूछने लगी- मतलब?

Copyright © Indian Porn Empire - 2010. All Rights Reserved.

मैंने टीवी ऑन करके कहा- मतलब ये !

तो शरमाई और कहने लगी- ये तो पहले से ही चल रहा था ! आप ही देख रहे थे जिसके कारण आपका वो खड़ा था !

मैंने उससे पूछा- वो क्या ?

वो कहने लगी- आप बहुत बदतमीज है !

मैंने कहा- आप कैसी हो? आपको यह सब अच्छा नहीं लगा तो टीवी ऑफ कर देना था ! आप तो उल्टा ही देख कर पैंटी में अपनी चूत सहला रही थी।

ये सुनकर वो चुप हो गई। ये देख मैंने उसका हाथ पकड़ लिया और उसे अपने गोद में बैठा लिया। फिर उसे चूमने लगा। पहले वो थोड़ा कसमसाई, थोड़ी देर बाद वो मेरा साथ देने लगी। मैंने उसकी शर्ट और स्कर्ट खोल दी। अब वो सिर्फ ब्रा और पैंटी में थी। मैंने उसकी ब्रा का हुक भी खोल दिया और उसकी चूची चूसने लगा।

मैंने अपनी निक्कर और शर्ट भी उतार दी। उसने मेरा लंड देखा और कहा- यह तो बहुत बड़ा है !

शायद उसने पहले कभी किसी का लंड नहीं देखा था। मैंने उसे अपना लंड पकड़ा दिया। वो मेरे लंड से खेलने लगी और चूसने लगी। मैंने उसकी पैंटी भी उतार दी। अब वो पूरी नंगी थी। मैंने अपने जीवन में पहली बार किसी लड़की को नंगी देखा था। मैं भी उसकी चूत चूसने लगा। अब हम एक दूसरे को चूस और चूम रहे थे। अब मै और वो पूरी तरह से तैयार थे।

मैंने उसकी चूत पे अपना लंड रखा और एक धक्का दिया, मेरा २ इंच लंड अंदर चला गया। वो थोड़ा कसमसाई,न उसकी सील अभी खुली नहीं थी, वो अक्षत-यौवना थी। मैंने एक और धक्का दिया और पूरा लंड उसकी चूत में डाल दिया।

15 मिनट तक मैं उसे चोदता रहा। हम दोनों एक साथ झड़ गए। फिर मैंने उसकी गांड भी मारी। उसकी गांड मैंने २५ मिनट तक मारी और उसकी गांड में ही पानी छोड़ दिया।

अब हम दोनों थक चुके थे। हम जाकर पहले नहाए, नहाने के बाद हमारी थकान दूर हो गई, हमने बियर पी और वो जाने लगी। मैंने उसका नंबर माँगा तो वो कहने लगी कि आज के बाद हम कभी नहीं मिलेंगे।

जाते जाते उसने मुझे चूमा और कहा- यू आर सो स्वीट एंड हार्ड !

मैंने उसे अपना नंबर दे दिया और दो महीने बाद उसका फ़ोन आया।

अब आगे की मैं अगली कहानी में सुनाऊंगा। तब तक इसे ही पढ़ कर मुट्ठ मारिये।

आपको यह कहानी कैसी लगी, मेल जरूर करें !

veerudada33@gmail.com ०९ मार्च, २०१०

प्रकृति की देन का उपयोग करो, उपभोग नहीं !

Copyright © Indian Porn Empire - 2010. All Rights Reserved.